

१८

157

कृता मादाय ॥ आचार्यदक्षिण यविश्या कृतात्तनन मधु
लकाचय ॥ गुवनमत्तान कि जगमन येवगिद्यायदंड
यासंवत्सरदानशा ॥ धैत्यवदनधर कृया ॥ वृद्धि ॥ जव
वक्रवा ॥ धधायक ॥ वृद्धि ॥ अचमधनामाचार्य यावहीन
वृद्धगवत्त गवत्त वि दिवदा नामय ॥ धवत्त नामाद्रिदुजावही

220

बुद्धत्वं गन्तव्यं निव अमनसा कादहमवृत्तमसि बुद्धत्वं ॥
अहंमिथं नामायावजीवं धर्मो गन्तव्यगच्छामि विनागानामप
वन ॥ थव १ नामादि धीदन् यावजीवं नागद्वयमाह नादगाव
थाय धर्मसु गन्तव्यं निव ॥ अहंमिथं नामायावजीवं स
धमज १ गच्छामि गच्छानामप ॥ थव १ नामादि धीदन् ॥

(५)
यावजीवं संघगच्छ्यादहमसंघसु सवत्तवदा ॥ विनयि ॥
विमन १ वदा ॥ नगः धीवगिष्यायददय ॥ यत्तमिष्यायदवि
य ॥ अहंमिथं नामा यावजीवं यात्तादियानात्युगिविनमा
मि ॥ थव १ नामादि धीदन् यावजीवं श्यायत्यायमनव ॥
अहंमिथं नामा यावजीवं अदहायानात्युगिविनमामि ॥

धव१ नामाद्रिधदन आवर्जीव मकनक दानयार्थ मकनव ॥
अहमिधनामायावर्जीव काममिथावावात्युतिविनमामि
॥ धव१ नामाद्रिधदन आवर्जीव कामसन्नयइयमकनव ॥
अहमिधनामायावर्जीव मृत्वावादायुतिविनमामि ॥ धव१
नामाद्रिधदन आवर्जीव असत्यरवइयमकनव ॥ अहमि

धनामायावर्जीव मनामन्नय मद्ययमादमूनात्युतिविन
मामि ॥ धव१ नामाद्रिधदन आवर्जीव अगिमिहियादन
धनकायक इयमकन ॥ अन्नयि ॥ अन्नय ॥ अन्नयि ॥
गच्छ ॥ गिथायदादिका डयासक गिथाधनयिकव ॥ अन्न
वृत्त ॥ धनयधनययकमान ॥ अन्नय ॥ अन्नय ॥ अन्नय ॥

ग्राचार्यसंविदन् ॥ समवाहनं अहमिथेनामां ग्राचार्यस्य
ध्वं ग्राचार्यनाहंयवज्य ॥ हामां धवरनामहिथेदन
ग्राचार्यवदयादन ॥ दिनयि ॥ मरुदयाधायविमवा ॥
दयाधायविदन ॥ समवाहनं अहमिथेनामां दयाधाय
मरुदयाधाय ॥ हामां धवरनामहिथेदन दयाधाय य

वकाशदनविदन ॥ दिनयि ॥ वलिदियक मधुलविमदन ॥
मिथेनाहंयवज्य निमदन वदनाय लादागिभका ऊनायविथ
अदवावण थंकातिनवचक ॥ मिमीननायावकाय ॥ लासान
चनं मारु मदन अदवावयानं माधाय ॥ मरुदयचन वाक १
स था १ स वाकागम वाकावस माउस वादन डकागनयाय ॥

मादङ्गयव ॥ कामिहानधुता वृजङ्गाय ॥ रुसचड्यायाव निमि
नमेद ॥ वृजङ्गाययय ॥ मृदिका ॥ सखाय ॥ सुमिधनक ॥ यवव
चुलनसनानयाय ॥ लालासावईकयन ॥ गुरुसुविनङ्गसुन द
रुगृहीता ॥ गानकवा ॥ सुवर्धुखानमदिन ॥ अधिवासथर ॥ च
सयन ॥ धकादिन ॥ सुयनेधाय ॥ दसनाधिवासा ॥ यिवसस

इन्त्ये ॥ वज्रघट्टसहिकन ॥ य ॥ मक्काट ॥ शिवदनगता वृजामन
ताय ॥ यमदन ॥ लाथर ॥ ययकीतयाव ॥ मंगलनिकवदय
लुय ॥ यतमङ्गलमकलसतददिसिक्का वनधमोक्तावियरा
निसावस्य महायुखया ॥ कलीगलरुवपुनयनमानिवक ॥ ॥
धवथायस ॥ अदाव ॥ यवगङ्गाविय ॥ गुरुवसय ॥ सुद्यायि

तुं गृहीनाममानभव ॥ आव गृहीनामन ॥ किंयवज्ञाने
क्षय उदिववीनिनिश्चय गदावकवा ॥ ह्वेदभूयनिश्च
य क्ताव ॥ अदमिथनामायावाहीव गृहीनिगयनित्य
आमि यवज्ञालिंगसमादद ॥ थवशनामद्भिर्धन धव
तादताव उयाशकवयाधननय ॥ ननःयवयाविरु मा

पुरित्तावकृत्वा यवाजय ॥ धनगुग्गुलदानक ॥ विस
हने ॥ धनवृद्धमथुलदानक ॥ डनमारुगवक श्रार्यवृद्ध
मथुलसर्वविघ्नानुद्धन च्छाक विमलसादा ॥ मथुल
यकस्थानवाय ॥ स्थानवाय ॥ डेवभावनायवरूपयथ्यनियन्न
सादा ॥ दाक ॥ हं गृहीत्यायवडापृथ्यनियन्नसादा ॥ हवन

ॐ नमस्तवायवदयुषंयग्नियह स्वाहा ॥ खवस ॥ दीवजयुषः
यग्नियह स्वाहा ॥ धीवन ॥ खं अमायसिद्धायवदयुषंयग्नियह
स्वाहा ॥ जवस ॥ नां वाचनायवदयुषंयग्नियह स्वाहा ॥ खव
कानसु ॥ मां मां कियवदयुषंयग्नियह स्वाहा ॥ खवकानर्थव
ने ॥ वायापुलायवदयुषंयग्नियह स्वाहा ॥ जवकानर्थव

॥ गौतासायवदयुषंयग्नियह स्वाहा ॥ जवकानस ॥ यथायुधान
युजा ॥ रुमि ॥ बुद्धेतेलाकनाथमूनवननमिर्तयादगंसाव
धीन धिनगमसीजीवनसकनगुलानियिह धर्ममाजाविष्कृत
। हृष्टामादाधकारकालिकलकद्व ॥ कामनाताजिवनं त्वं
धमाकसिद्धयुगमिर्तगिनसासर्वकालनमामि ॥ मादमेव

नामोऽथ १ नामसिद्धिर्थाव ॥ न वेदगिताः नित्ययनदभनय
॥ १०० मां दिवसमुयादायः थनुयाधदिनस ॥ मुयादायः थनुयाध
दिनस ॥ अथनाय ॥ आवडा ॥ अथवस ॥ वाधिम पुननिख पुन
॥ अथमानथागनमपुल ॥ खपुमइवन वदत्त रुगवन्न राग
वन्नत्त ॥ महाकानुलीक ॥ गवन्ननदयावन्न ॥ सर्वद ॥ समस्तमिस्थ

विष्ठाका ॥ सर्वदगित ॥ समस्तसारविष्ठाका ॥ सर्वेकारुयान
कः समस्त ॥ अथमावकुल ॥ अथयकायक ॥ खपुनयान ॥ अथ
वायक ॥ लयसवानदिस्य ॥ भावकमजिव ॥ अथुनकाय
क ॥ भवुन ॥ डलमयायमजिव ॥ गतिदगनगामि ॥ अथनव
धिवदानामथ ॥ अथिगनक ॥ दिनवदव ॥ देवमूय अथनदाका

या इदमसाजामणि बुद्धस्य गणपतर्वंद ॥ ५६ ॥ नमो धर्मगु
ल ॥ ६ ॥ नमो आर्यधर्मगुल सर्वविद्यानुज्ञाभर्तृदात्रीविमलता
॥ त्वानमस्तुल्यदीव्य ॥ ६ ॥ आर्ययज्ञयानमिगायवज्रपुष्पयनि
यज्ञस्वाहा ॥ दानं ॥ ६ ॥ आर्यगवर्तयज्ञयवज्रपुष्पयनियज्ञस्वाहा ॥
हवनं ॥ ६ ॥ आर्यदशायवज्रपुष्पयनियज्ञस्वाहा ॥ खवस ॥

६ ॥ आर्यसमाधिनाजायवज्रपुष्पयनियज्ञस्वाहा ॥ धीवन ॥ ६ ॥ आ
र्यलंकावगनायवज्रपुष्पयनियज्ञस्वाहा ॥ जवस ॥ ६ ॥ आर्यसद्वम
युत्तलीकायवज्रपुष्पयनियज्ञस्वाहा ॥ खवकुनस ॥ ६ ॥ आर्यनय
नकगुप्तकायवज्रपुष्पयनियज्ञस्वाहा ॥ ६ ॥ आर्यलज्जिविरुनाय
वज्रपुष्पयनियज्ञस्वाहा ॥ खवकुनथवन ॥ जवकुनथवन ॥ ६ ॥

व१ नामाङ्गिर्धनं ॥ एवं दामिना निश्चयनं दशमया ॥ १०० मां दिव
समुपादाय ॥ धदिन धवानकुद्रुधर्मनाय ॥ जावदागमवनस
धर्ममपुलनिवपुलाङ्ग ॥ गनधुअमायहुयावमिना मपुलवपु
मशवन धधर्मनाय ॥ धर्मगनपगवामि ॥ धर्मलंगनलवदाङ्ग
धर्मलंगथिगु ॥ विनागलायवन ॥ नागद्वयमादा ॥ १००० धदाङ्ग

नादगावर्धंगु धर्षिगुधर्मह्व नमस्तु नयादा ॥ १॥ गङ्गा
सद्यमभुल ॥ ६ ॥ आः सद्यमभुल सर्वविद्यानुवादय च द्वाका वि
मल्ल स्वादा ॥ १ ॥ स्वा नमभुल दयक वाय ॥ ६ ॥ आर्यावला कनक्षना
यवजु प्रथं यनियव स्वादा ॥ १ ॥ दान ॥ ६ ॥ मेजीयवजु प्रथं यनियव
स्वादा ॥ १ ॥ हवन ॥ ६ ॥ गगल गंजायवजु प्रथं यनियव स्वादा ॥ १ ॥

वस ॥ ६ ॥ सम नरुदायवजु प्रथं यनियव स्वादा ॥ १ ॥ धेवम ॥ ६ ॥ वजुय
लायवजु प्रथं यनियव स्वादा ॥ १ ॥ वस ॥ ६ ॥ मंरुधायायवजु प्रथं
यनियव स्वादा ॥ १ ॥ खवकुनस ॥ ६ ॥ सर्वनीवजु ललितु श्री निवजु प्रथं
यनियव स्वादा ॥ १ ॥ खनकुन धेवन ॥ ६ ॥ किमिगहायवजु प्रथं यनि
यव स्वादा ॥ १ ॥ वकुन धेवन ॥ ६ ॥ खगहायवजु प्रथं यनियव स्वादा ॥ १ ॥

॥ अथ वसुधाय नमः ॥ वसुधाय नमः ॥ वसुधाय नमः ॥ वसुधाय नमः ॥
याति मेत्यात्मकगणपतेश्च समस्तैरुदयैः ॥ यथाविद्यया न हि मा
युक्तमश्नुते धाम् ॥ तित्त्वस्तीति निगदन् नूनमासि ॥ साहसं वचना
मां ॥ धवश्च नामादिर्धदाव ॥ एवं दगिता ॥ निश्चयनदग्गया ॥
ॐ मां देवसमुदायः ॥ धीदिनकृद् ॥ आवदा ॥ सुवनस ॥ सीध

(K)
मधुलनित्यपुदणान् ॥ अमासं धमपुलख ॥ पुमश्च वनधमा
नाय ॥ अविद्यनिकवाधिसत्वा ॥ संघसनपगित्त्वामि गणास्त
न अविद्यनिकवाया ॥ महिंयुचनपदाका ॥ नादनाव तित्त्वचन
जलायादन्नांयु ॥ धधिंयुलाकधनत्वं ॥ धाधिसत्त्वसंघया सनप
वदा ॥ धधिंयुसंघत्वं गणादाकाया ॥ इहमवायमलित्वं ॥ वृ

नयान ॥ ५५ ॥ अग्निवि ॥ नका ॥ अग्निविदायदातिदायर्थ ॥
दशसिद्धा ॥ गुन्याक ॥ ५५ ॥ समवाहनरुडन ॥ नदाभा ॥ दनाचक
यथा ॥ अग्निविदायदाति ॥ यथार्थ ॥ अग्निविदाय ॥ नामन ॥ आवहीवं या
आदियान् यदाय ॥ आवहीवं ॥ शायत्याय ॥ रावयीमनव ॥ या
आदियान् यदाय ॥ अग्निविदाय ॥ शायत्याय ॥ दानन ॥ अग्निविदाय

थनामा ॥ आवहीवं ॥ या ॥ आदियान् ॥ वनमण ॥ दानाधन ॥ नाम
द्विधदन ॥ या ॥ आदियान् ॥ वनमण ॥ शायत्याय ॥ रावयीमनव ॥ या
आमण ॥ सिद्धा ॥ यद ॥ समादद ॥ आवकायद ॥ शायत्याय ॥ दानन ॥ अग्निवि
मवाह ॥ यधमनीगन ॥ नया ॥ अग्निविदाय ॥ अग्निविदाय ॥ आवहीवं ॥ या
कमसिद्धा ॥ यद ॥ शाय ॥ अग्निविदाय ॥ अग्निविदाय ॥ अग्निविदाय ॥ अग्निविदाय

धनुर्विद्विषयाथ । अनुकनामि द्विधं ध्वकर्मयाय । यथा न
आयो ब्रह्मज्ञा जावहीव । धार्थवृद्धसर्वं श्रुताय । अदुर्लभा दानं
मत्तनक दानयाय । अवस्रवर्धे अचन । ध्याय । मृखा वाद ।
असत्यरक्षाय । नृनामद्युमादसूत । ध्वआदियं अमिमिहि
न । नृत्वा यारुनद्वय । गीतं मद्दानं । वागीन वाजन धाय

। माला वाकत्वान । गच्छविमयन न साकन वदनय । व
धुक्धान । वनिवसुलक्रिय । मुचसयन धासधानी । मद्दा
सयन । खानायनी क्रियादिय । अकानकाजन वनकानमदयका
न । जानवृयनजन लूडाक्षनक्रिय । यमिषकायुयानिवनना ।
धनिकानादकिन । चवमवाह ०० धीनामा जावहीव दाना

धवशनामाद्रिर्धनं जीवनवदनयतां ॥ अदकादानं धनम
नं मत्तनकादानयायं अदकाविश्यं ॥ सिद्धायदं समादक्षामि
सिद्धायदं धननयभाग ॥ अदमिर्धनामायावद्भीवं धवश
नामाद्रिर्धनं जीवनवदनयतां ॥ मुनामद्ययमादभूनाह
धनकायवदय ॥ धनम ॥ सिद्धायदं दद्याम ॥ अदकावमइत्य

सिद्धायदं धननयभाग ॥ अदमिर्धनामायावद्भीवं इच्छसयन
मदासयन धासवानं रत्नायन कि आदिव ॥ सिद्धायदं सम
दद्यामि ॥ सिद्धायदं धननयभाग ॥ अदमिर्धनामायावद्भीवं
नृस्य गीतवागीत धनमन धवशनामाद्रिर्धनं जीवनवदन
यतां ॥ यायनइत्यं महानं वाजन धायं अदकावण ॥ सिद्धाय

यदस्मादस्मि जियनिमनयनयभाग ॥ अहमिथनागो
 यावद्दीवं मात्मागच्छविलयनवेनमनय ॥ यवशनामद्विधं
 नजीवनवरुनयनागो ॥ ताकस्वानननादननयनयगो ॥
 सिधायदस्मादस्मि जियनिमनयनयभाग ॥ अहमि
 थनामायावद्दीवं जातनूयनऊनयनियद्वानवेनमनय ॥

(K)

वरनामद्विधं नजीवनवरुनयनागो ॥ नूडाहाननिय
 आननय ॥ सिधायदस्मादस्मि जियनिमनयनयभाग
 यदधननयनाग ॥ निववि ॥ अहमनाहं इमं ॥ देगनय
 याहना ॥ थथदग्नाकुपनसहाया ॥ अहमनय ॥ नया
 नया ॥ निधो ॥ अनुभव ॥ निधो ॥ निधो ॥ निधो ॥

॥ देवाङ्गका अस्तादा ॥ आशुनियाय आययकाशना आयनद
 सावलिविय ॥ यानपायाचकनधाय समनविस्सी यविवका
 यव ॥ धनलि कामालिपूजा धीकालिनमधुलधिलकी स्नान
 मानक ॥ युधुयाय विसर्जन ॥ अक्षयपूजा दक्षणा समन आ
 शिवोद कामालपूजाधुय ॥ धनि ०० दियाययाशना ॥ ७ ॥

वृत्तान्त

१ नमावुद्धाय ॥ नकास गुनुमधुल जिसमावि कलसना ॥
 ॥ दक्षपूजा यिवसमुदपायनय ॥ धन वृसदाय झलसारी
 इकाय ॥ स्वसिकस स्नान गुनुमधुलदानका विसर्जन ॥
 स्नाननवचकीरावना ॥ लाहागिबका मुद्रायनिमिनताय ॥
 वलंगनगाय शरुन मयाशालझाय नीनिनसरुयका ॥

माघवद्वन ॥ शुद्धय ॥ भादपुयक ॥ कमिहसुयका ॥ सीख
चक ॥ डंसवावनलाविष्ठाधनसवाहनावनाचंदयहसवा
॥ धमत्रयदये ॥ धनद्रसरवन ॥ रुकः डंधर्मसदेवादिवाव
स्वाहा ॥ धमत्रयदये ॥ धनया ॥ रुचयनवायावयिवसमुद
गान्न ॥ गगथा ॥ यत्तंगलीमालिरुगसाडिनयरुदसकडे

नाचवनहासश्रुताविनन ॥ धीप्रतसंरुवजिनस्थानिलाविन
 स्थ ॥ कल्पद्रुलरुवरुतयनमातिवक ॥ लासावडेकाय धव
 ॥ यसमान ॥ यचगहविय ॥ वरुकाय ॥ मादस नहावाय
 ॥ गावाचनन ॥ डंकरुतिनकठय ॥ लाहादा ॥ लुविनननिचक
 ॥ डंसर्वातिनलरुव ॥ लाहादा ॥ अरुनल ॥ डंकाय ॥ यचवृद्ध

समाभिस्वरुवे जिलादयसारुके महाकापनाउनंवितावा ॥ अत्राः
कर्षेण ॥ याद्यादि ॥ निनाअन वरुनगाय गालचानगाय मतरुन
नाय अरुथक येअमृत यचगद्य दिसि ॥ यदीयु अमृत उवाम
दारुल वनमतमाला कायउ स्वायान येअयहानयूडा ॥ दध्वावाद
न नानचा मतरु ॥ कमीहाथयूडा ॥ यचमृतकायीदार्त धमनलजा

यसायः ॥ अत्रेलादयसारुके महाकापनाउनंवितावा ॥ अत्राः ॥ यनि
मृगाधिनहान मउनेययक वरुद्यपुवनका सरुनलुथ ॥ चरुच
यः ॥ यचायहानयूडा सतादन ॥ दाक सधनवलिनवद्य येवायहा
नयूडा सतादन ॥ दानमृयनलिन अगिरुवनना ॥ अकउमुद्धादि गित
नीनयीताक ॥ यामालक ॥ मृगाउतानिवसन निरुवनग ॥ क

यथाय कनदा रकुणीकन । सवक्क मूयविश्वामुनधनं कमलमु । मुः
 योसनमूयलमहातायशमो गिरावयम् । आकर्षणादि गडं तायश
 ग्रयस्वाहा । बचायदानयूजा दिवताहृतिः । दहृणा यूयुः । उज्जमा
 नसश्रुतिवका । आशीताद सखाहृति । विसर्जन । गङ्गा तद्वानम्वान
 यविधि । क्षामशकाल । यथैविधानशने । आयश्चि मन्वानयाश्च । ॥ ७ ॥

(नमावद्वाय ॥ धासेमाक्कायविष्मनमाहा । नकस गुनर्मउत्त देगु
 लि कलेशयूजा ॥ क्षामयाय ॥ ॥ धनलि लयल्य डाहायल्यगल्य
 रावना ॥ उस्वरावशुद्धासवेधमास्वरावशुद्धा इह शून्यगीहूनव
 जस्वरावात्मका इह ॥ स्वकावजं विधवज्जूर्यं जिवादावकं विराव
 ॥ धूय ॥ नितीजन ॥ कमिहाथयूजायाहन गेह्यावकं ह्याव

वलिसंकायके ॥ गवयग्वान् आदिनकाय खेदिनयके सिंघसन
 विश्वकेशवाय खान लाहागिनका ॥ यंचायदानयूजा ॥ ० ॥
 थनअग्निरावना ॥ यद्मसूथोयनियमान्पवर्तुचतुर्भुजं याग
 कृशदधुकुठिकारुगिसत्त्वान्गदकानके अमृगाग्निविशवथं
 ॥ अर्ककाष्ठादिविधिवशइत्यान् ॥ ॥ मन्त्र ॥ ॐ अमृगाग्रयस्वाः

* ॐ वरुणाय नमः ॥ ॐ वरुणाय नमः ॥ मन्त्र ॥

हा ॥ ॥ एवमधिमासा तर्लंगमासा यथ्यमासा यधमोयाय
 थियदान ॥ ताय अरुण एवमधिलय ॥ खानगने यधुयाय
 आशीर्वाद विसर्जन ॥ ॥ ॥ यंसमाया लाकनस् तायमन्त्र ॥
 ॐ नमः समन्तवर्धना ॐ महाययजिनाक्षीषवक्त्रवर्तिसर्वयन्त्रमन्त्र
 वेधं नन्दुवने वेधवृक्षदत्तवेधधनयन्त्रं दवाशिनीथनकनवि

इयादिकं चिन्तयति चिन्तयति चिन्तयति चिन्तयति चिन्तयति
॥ ७ ॥ गणकूलकूलधामपीमलु॥ नमानत्तययाय नमः सर्वे वृद्ध
वाधिसत्त्वस्थानमाष्टमहायैयंगलायनमः सययः सययः सययः
सययः गययः । डं डी ४ डी ४ डी ४ सर्वनागमनी अनककूलानी वास
किकूलानी । गकककूलानी मखयालकूलानी ककोटककूलानी

यदकूलानी महायदकूलानी कूलिककूलानी वलादककूलानी
यधुनीककूलानी घनककूलानी मधकूलानी जलधेवकूलानी जी
मृगकूलानी वसनककूलानी विवावगकूलानी कूमूदकूलानी कला
वकूलानी शोणनिककूलानी । इनः शयनवन्धश्चायनताजयः
त्यसनरीतानारुयेददि । यत्यकासूत्रजलधेवमवगावयवधे

कौनागमचगीकनरु॥ कनरु॥ कानाययरु॥ रु॥ उं कनरुने
 की॥ रु॥ रु॥ स्वाहा॥ ७ ॥ नमानतणयाय॥ गयथा॥ उं रु॥ लिमिह
 गिलिमिह रु॥ लिगिलिमिह इम्ह इम्हालीय इम्ह इम्हालीय गक्क गक्क
 वलि सभमिम्ह वलि कम्मीय कम्मीनमक्क अय अयने अयनायने
 रु॥ लि रु॥ लीय रु॥ लिमिलीय अक्कायिय अक्कायिय अक्कायिय अक्कायिय

[illegible]

अ कालिकासूर्यगमयलिनालुवनुमहाकाचकृ
शुद्धद्विनादुददकंभक्तिसुजागसयाद
शक्तिवाचनंयंचमूदकृताशालनाषणमूदयन
रुद्रहसदमूहमालिकांश्वकयेनानाधूना
वनधूसर्वसाखासमाशुक्तंभाऊसिद्धिकददि

म॥सर्वरूपनसंदाजगदधयसादकंविनूम
निचवशुनशामहासम्भवनमामुनयायविश्व
महासूनसर्वोभूतिसदासिद्धकृयाकादेमहाबाद
महासम्भवेनमामिः॥धूयकमुकयूनकी
धूशुखानवश्वनसिद्धिलसिनादेकायाधकि

॥
०
॥
॥

स्थकृद्गमनदांतयकसलिवयनयदवगुत्रुधनयामोनका
 कृकृद्इसत्रकुमयजाकावाभगुत्रुमगुलपैत्रगवोसिध
 नयमगुलधिनेत्रवनिद्युयसमाधिकससग्वमतत्रुध
 नियजादवपूजासिधनभासगुत्रुमगुलउन्नकमतपूजा
 प्रधयनाविसकृन्नससिवाक्षनधनयानत्रुधानकस
 र्द्वनयवाकपूजाभगुलधिनेक्रमार्पेआसिवाददकृता

विसेकृन्नकरवि

त्रुधयामदनाधनवैममाकासकाविहीसर्वसत्त्वान्
 संगानदेहवृद्धवर्णयनिष्ठापनायप्रवक्तागुरुमंसमादद॥







